SUCCESS KEY TEST SERIES

Unit Test -4

Std: VIII (E.M)	**Subject: Hindi**	**Time: 2Hrs**
Date :	**Chapter 2.5 to 2.9**	**Max Marks: 40**

विभाग 1 : गद्य

Q.1 निम्नलिखित परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : 8

1. आकृती पूर्ण कीजिए: (2)

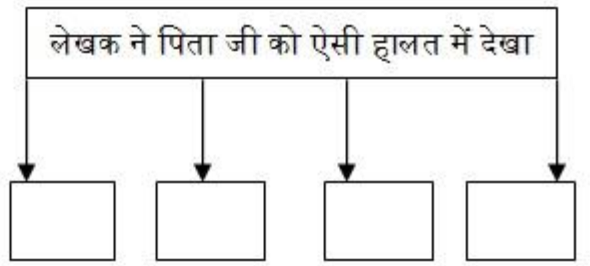

कई बार मन करता है-कोशिश करके एक बार फर्स्ट आ ही जाऊँ ,लेकिन तभी अंदर से कोई चीखता है-नहीं, यह तो पिता जी की जीत हो जाएगी । वे इसे अपनी ही उपलब्धिसमझेंगे ; और ... और खुश भी तो होंगे , मेरा उनकी ख़ुशी से क्या वास्ता ? अब उनका और कुछ वश नहीं चलता तो माँ को सुनाकर दहाड़तेहे हैं- ‘‘ठीक है, मत पढ़े-लिखे । करे सारे दिन मटरगश्ती । मैं भी इस इम्तहान के बाद किसी कुली-कबाड़ी के काम पर लगा देता हूँ ।’’

यही देख लीजिये अभी नुक्कड़ की दुकान पर कुछ खरीदने आयाही था की अचानक पिता जी सड़क से गुजरते दीखे । जानता हूँ, घर पर पहुँचकर खूब गरजेंगे-दहाड़ेंगे । लेकिन बाहरी दरवाजे पर आकर सन्न रह जाता हूँ । पिता जी को लगा कि उनके बेटे का भविष्य बरबाद हो गया है यह सोचकर वे गलियारे में खड़े-खड़े दिवार से कोहनियाँनिश्शब्द कातर रो रहे हैं । मैं सन्नाटे में खिंचाअवाक खड़ा रह जाता हूँ । पिता जी का ऐसा बेहद निराश , आकुल-व्याकुल रूप मैंने इसके पहले कभी नहीं देखा था। जिंदिगी में पहली बार मैंने अपने पिता को इतना विवश इतना व्यथित और इतना बेबस देखा तो क्या पिता जी पहले भी कभी ऐसी ही अवश मजबूरियों के बीच रोए होंगे-मुझे लेकर ?

अब मुझे अपने किए पर पछतावा हुआ । पिता जी की दशा देखकरमैं मन-ही-मन दुखी हुआ । माँ से मिलकर मैंने सब कुछ बताया । आज माँ की ख़ुशी का पारावार नहीं था । उसने मुझे गले लगाया । उसकी आँखोंसे आँसू झरने लगे । वे दुख के नहीं खुशियोंके के थे । मेरी आँखों के विद्रोही अंगारे बुझने लगे हैं-मेरे अपने ही आँसुओं की धार से । मैं निःशब्दकह रहा हूँ -पिता जी ! मैं संधि चाहता हूँ । हाँ, मैं संधि चाहता हूँ ।

मैंने आपको गलत समझा, मुझे क्षमा कर दीजिये ।

2. एक शब्द में उत्तर लिखिए: (2)

1. लेखक को किसने दुकान पर खड़ा देख लिया ?
2. लेखक क्या आने की कोशिश करते हैं ?
3. कौन सारे दिन मटरगस्ती करता है ?

4. लेखक आखिरी में क्या चाहते हैं ?

3. A. निम्नलिखित शब्दों के सामनार्थी शब्द लिखिए : (1)

1. क्षमा 2. आँसू 3. आँखों 4. बर्बाद

B. निम्नलिखित शब्दों के संधि विछेद कीजिए : (1)

1. विद्रोही 2. निशब्द 3. बेहद्द 4. चीखता

4. हमे कभी भी अपने माँ-बाप को गलत नहीं समझना चाहिए|क्या आप मेरी बात से सहमत हैं?(2)

विभाग 2 : पद्य

Q.2 निम्नलिखित पद्यांश पढ कर सूचना के अनुसार कृतियां कीजिए : 6

1. आकृती पूर्ण कीजिए : (2)

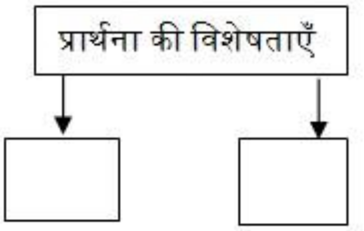

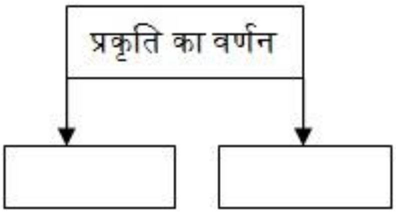

प्रसव वेदना सह जब जननी
हृद्य स्वप्न निज मूर्त बनाकर
स्तन्यदान दे उसे पालती,
पग-पग नव शिशु पर न्योछावर
नहीं प्रार्थना इससे सुंदर!

शीत -ताप में जूझ प्रकृति से
बहा स्वेद, भू-रज कर उर्वर,
शस्य श्यामला बना धरा को
जब भंडार कृषक देते भर
नहीं प्रार्थना इससे शुभकर !

2. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (2)

1. पसीना बहाकर __ को उपजाऊ बनाया जाता है|(मिट्टी, अनाज, पौधों)
2. ___ हरी-भरी है|(घास, चारा, किस्मत)
3. भंडार को भरनेवाला ___ है|(मौसम, किसान, मालिक)
4. जननी का मतलब है __|(धरती, अम्बर, माँ)

3. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का सरल भावार्थ लिखिए : (2)

हृदय------------- पालती

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

Q.3 **सूचनाओके अनुसार कृतिया कीजीये .** **2**

(1)अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :

(i) दूसरों पर उपकार करने वाला

(ii) चिंता में डूबा हुआ

(2) निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा पहचानिए : **2**

(i) लकड़हारा की लोहे की कुल्हारी नदी में गिर गयी |(द्रव्यवाचक)

(ii) राजा को कोई ख़ुशी भरा गीत सुना रही हों |(भाववाचक)

(3) निम्नलिखित वाक्यों के काल लिखिए : **2**

(i) वह रोज बढ़ते हैं |

(ii) समुद्र तट पर और लोग भी नहा रहे थे |

(4) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : **2**

(i) धूप

(ii) बुढ़ापा

(5) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए : **2**

(i) आपे से बाहर होना

(ii) इतमीनान की सांस लेना

Q.4 **विभाग 4 – उपयोजित लेखन**

(1) पत्र लिखन: **5**

निम्नलिखित जानकारी का उपयोग करे:

समस्या बरसात के पहले सडकों का खोदा जाना और मलबा बीच सडक पर जमा करना	**उद्देश्य** अमरावती महापालिका आयुक्त का ध्यान आकर्षित करना |	प्रार्थी - प्रियदर्शन पवार पता - राजकमल चौक, अमरावती (महाराष्ट्र) पिन - 444601

(2) निम्नलिखित शब्दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा कहानी से प्राप्त सीख का उल्लेख करते हुए कहानी को उचिर शीर्षक भी दीजिए : **5**

बाढ की समस्या - श्रमदान - सारा गाँव काम में - नहर - बरसात के दिन - पानी नदी में - खुशहाली |

(3) निम्नलिखित किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : **6**

(i) समय बडा बलवान

(ii) वृक्षारोपण

(iii) अंधे की आत्मकथा

-------- All the Best --------